# **Foundation Day Press conference and Media Coverage**



## ICAR-NBSS&LUP to celebrate its 45th Foundation Day on Aug 23

ICAR-NATIONAL Bureau of Soil Survey and Land Use Planning (ICAR-NBSS&LUP), Nagpur will be celebrating 45th Foundation Day on August 23, 2021.

"The Bureau was established as All-India Soil Survey Scheme in 1956, and was accorded the present status in 1976, with headquarters at Nagpur and five region-al research centres at New Delhi. Udaipur, Jorhat, Bengaluru and Kolkata, covering all the agro-eco-logical zones of the country. It is apex organisation in India. under the umbrella of the Indian Council of Agricultural Research, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, Government of India. It serves as a repository of soil information for the country and conducts research and training activities mainly in soil survey, remote sensing applications, land evaluation and land use planning. Padma Shri and World Food Laureate Prof Rattan Lal. School of Environment and Natural Resources, Ohio State University will deliver the Foundation Day lecture," said Dr B S Dwivedi,



Dr B S Dwivedi, Director, ICAR-NBSS&LUP addressing a

Director of the Bureau, during a media interaction on Saturday

The Bureau is particularly known for producing the first soil resource map of India (1:1 million scale) potential soile rosion map (1:1 million scale), Agro-Ecological (AER) and sub-region (AESR) maps, organic carbon stock map and harmonised land degradation map of India. The need for quick and pre-cise farm-level information to develop land use plans drove the Bureau to generate district-wise land resource inventory (LRI) maps and plans for alternate land uses, conservation and water resources development plans on a 1:10000 scale.

Scientists echoed national sen-timents in the backdrop of 75 years

WWW. TOOL SO BENEFICEN SEE

नागपूर, रविवार, २२ ऑगस्ट २०२५

ताभदायक ठरू शकते पाबाबत

माहिती डॉ. द्विवेदी यांनी यावेळी

दिली. पत्रपरिषदेत डॉ. एनएसएस

नागार्जुन, डॉ. एन. जी. पाटील जॉ

4 (तथा वृत्तसेवा

प्रमोद तिवारी आदी उपस्थित होते.

of Indian Independence (Azadi Ka Amrit Mahotsay). Director General and Secretary DARE, Dr Trilochan Mahapatra will be the chief guest on the occasion. The function is being held in the virtual and physbeing held in the virtual and phys-ical mode due to pandemic con-ditions. Dr S K Chaudhari, Deputy Director General, Natural Resource Management (NRM), ICAR will chair the function, while Dr C D Mayee, ex-Chairman, Agricultural Scientist Recruitment Board New Scientist Recruitment Board, New Delhi and Indra Mallo, Director, PoCRA (Nanaji Deshmukh Krushi Sanjivani Prakalp), Government of Maharashtra will be the guests of honour. Dry G Prasad and Dr D K Ghosh, Director(s) of Nagpurbased ICAR institutes, namely Central Institute for Cotton Research and Central Citrus Research Institute respectively will grace the function as special invitees. Present were Dr M S S Nagaraju, Head, Remote Sensing; Dr NG Patil, Head, LUP; Dr Promod Tewari, Head, Soil Resource Studies; Dr Hritick Biswas, Pr Scientist, Remote Sensing: Dr MS Raghuvanshi, Pr Scientist and Dr Mahendra Sahu, Chief Technical Officer, ICAR-NBSS&LUP Nagpur.

# अपनी धरती-अपना खेत...

## मुदा स्वस्थ, तो फसल स्वस्थ पैदावार में होगी बढ़ोतरी

फसल की पैदावार में खेत की मुदा (मिद्री) की महत्वपूर्ण भूमिका है। पोषक तत्वयुक्त मुदा स्वस्थ होने पर फसल भी स्वस्थ होनी और पैदावार में भी बढ़ोतरी होगी। क्या है मुदा परीक्षण, किस प्रकार प्रयोगशाला में मुदा का परीक्षण किया जाता है, इसके लिए आवश्यक सामग्री क्या है आइए जामें

## भौतिक व रासायनिक स्थिति की जानकारी

क्षण कार रही कि वर्ती का संपूर्व और बावर तर विवेश की दुर्ज

तान के का नहीं होंगे व्यक्ति । तान के का नहीं के का महिला के प्रतिकृति । तान के का नहीं के का महिला के प्रतिकृति । महुम्मान वानी व्यक्ति कहा में महुम्मान वानी व्यक्ति कहा में प्रतिकृति । प्रतिकृति ।

मात्र में किल मोत ने उसकी उपलब्धता को बहाव जार। केवत



• बन्न की उर्दर सकिए की

क्षाताल व जीच की आवार पर बूरित पुरासकों की लाव व पास की तुरासकों की लाव व पास की दीराज बजारे में दीरावाल • जीवारों एसं जावा परास्ते के तिए बूरित की उपयुक्तता का

### राष्ट्रीय जीन बैंक बीजों को वर्षों तक

सहेजकर रखना संभव

people after the in people in that of figures कर्मुण और बेंक के का अध्यक्ष के बीजों को पिताल को बार्ज का करियान एक पर करना है। जिल के बुलों करने को अधिरेतृत अरावपुरिका लाग्नेत और बीज का पोधारित देखीय पुत्ती का विकास करना जाने में प्रमुख्या प्रमुख्य अनुस्थान अञ्चल बहुई, पुत्त को विकास के प्रमुख्या कर प्रमुख्या कर प्रसुख्या है। बीजों में विचार इसकी न्यावन को पास्त के बीजों को लोगा करने के लिए को बीजों तो बीजों के को बीजों को लोगा करने के लिए की बीजों है की बीजों के बीजों के स्थान करने के लिए की बीजों भारतीय जानकार है। क्षेत्र आया देशों से आयार दिए

सावधानियां

की काराज्यात की काराज्याती है। यह का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप के तीन वर्षों के का व्यक्ति काराज्या के तीन का वर्षों के तीन का तीन का वर्षों के तीन का वर्षों के तीन का तीन का वर्षों के तीन का वर्षों के तीन का तीन का

आवश्यक्षण सामाजी - जबूब लेके के पिन, जीवत किर्जा के फिर क्या के प्रक त्या होते प्रतिए, जिस्ते | इत्यों तहायत से स्व

सूब दुविन ता हो।
- शहरती, कारण, कारणी का का उता है।
- शहरती, कारण, कारणी का का उता है।
- है का कारणी का हो होते,
- है का कारण, सून का कारण, वा की होता हो होते की हुआ ता हो।
- हुका प्रभाव कारणी कारणी का अपने कारण

प्रयोगशाला में मदा की जांच : हा क्षेत्रक के छिए जन बहुत छिए जन है हा न बहुत क्षेत्र का प्रतिविद्यात करें। तुम का स्कूत तीक दल ते नहीं दिया गय हो और तह तुम का तही धीत हो तो प्रतिकार में दिवानों हो काव्यवित्य क्षों न बातों करें, उत्पर्धि विद्यातिक तहीं नहीं हो तकती



but you man if you your you you cannot be able out an embrour off calls to कुरायकर कुछ सावर विकास के निवर इस स्वतिकार या तकारी के आहे ती 2.3 ते ती. मीटी परण अपर ती मीचे राक क. तेमी. और पूर्व में बार्डा नहीं विधि के अनुसार ए. क. अनुदों ते कुछ एका करके मूझ का समूत विवार कर तुपान पत्रक सतिता कुछ परिव

ता. आर.पी. सम्मी (गांग्य नेकालिका का ता. भी.एन विकेषी (नेकालक).
 त्या नेकाम अध्यक्त किस्ता अञ्चलक्ष्म अनु गांदिक क्या महिला का तुनि उपयोग विकेषण बहुते, ताल्युव

राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षणचा स्थापना दिवस उद्या हॉ. बी. एस. द्विवेदी यांची माहिती होईल. प्रास्तातिक डॉ. डिकेटी करणार असून स्थापना दिवसानिसत विविध विषयांवर डॉ. रतनसास हे देखील मार्गदर्शन यार्गदर्शन करणार आहेत २३ ऑगस्ट १९७६ सा पा नागपूर, २१ ऑगस्ट ब्युरोची स्थापना झाली. देशात भा. कृ. अनु. ध. - राष्ट्रीय युदा इवेंक्षण व भूमी उपयोग नियोजन नागपुरसङ नवी दिल्ली, उदयपुर बंगळुरू, कोतकता, जोखाट असे क्यूरो, नागपूरच्या ४५ व्या स्थापना विकासने आयोजन सोमकार २३ सडा ब्युरो असून सर्विताचे सर्वेक्षण डोणारे देशातील हे एकमेव केंद्र आहे. ऑगस्ट राजी अमरावती मार्गावरील मध्या दातावरमामुळे रोतकरी आणि यद्रीय मुदा सर्वेक्षण केंद्रात करण्यात फार प्रमादित होत आहे असल्याची माहिती पत्रपरिषदेत मोठ्या प्रमाणात होत निदेशक डॉ. बी. एस. येणाऱ्या पाद दिवंदी यांनी दिली. वर्षात जिल्हा आणि 20 दिवंदी शेतीची माती आणि कार्यक्रमास मुख्य जलवायूची अतिथी म्हणून कृषी अनुसंधान व शिक्षा शेतक-पांनी कोणते पीक विभाग - भा. कु. अनु. य. वे महानिदेशक डॉ. जिलोबन महाया येणे आवस्यक आहे. याबाबत नागपुर ब्युरोच्या वतीने उपक्रम पदाश्री विशव खादा पुरस्कार प्राप्त डॉ. राबविण्याचा मानस आहे. रतनसास उपस्थित राङ्गार आहेत. प्रमुख अतिथी म्हणून प्राकृतिक त्यम प्रबंधनाचे उपमहानिर्देशक प्राधान्य दिल्पास ते हों. एस. के. चीधरी हों. सी. ही.

मायी, पोचराच्या संचातिका इंद्रा मल्ते यांच्यासह हॉ. वाय. जी. प्रसाद, हॉ.

डी. के. घोष देखील उपस्थित राहणार

आहेत. आमासी पद्धतीने होणाऱ्या या

कार्यक्रमाचे उद्घाटन सकाळी अकरा

वाजता आयसीएआर गीत व त्यानंत्रः

तौह, बोरोन, मोलिबडेनम व वलोरीन

ਵਸ ਨਵੀਂ ਕਾਵੇਂ ਕਰ ਰਾਉਮਿਤ ਲਾਗ ਜੋ ਜ਼ਰੋਸ ਕਰਮੇ ਹੋ ਹੀ ਤੁਸਤੂਸ਼ਾ ਮੈਕਸ਼ਤ: ਜੀ ਗ ਨਰਮੀ ਹੈ। ਹੀਤ ਗਿਜੀ ਸ਼ੇਸ਼ਤ ਜੋ ਲੋਕਮ ਸਿਕਸ਼ਜ਼ਮਤੀ ਜ਼ੀਰ ਹੀ ਜੀਤ ਤਸਮੀ ਸਿਕਸ਼ਤਿਕ ਲਾਭ ਹੀ ਪ੍ਰਤੀ ਜ

ती जा, ते पुरा राज्य बाव का नंदार काली हो जात है। टीक की बात हजारे क्या की है।

रे, परंचु अरेतवों एवं तत्त्वरविक सम्बंधित उ ते चुक्त यो अर्थर सीवा और तेनी ज रही है।

टॉफ्स सम्बद्ध

मुख्य बतायाल प्रवाह । विकास का जीवा भूति हो जीवाला काम तक जूरि में चीवार तार्थ की कारों का अंक्रिया पता करना है। सूच पीक्या तार्थों का जीवा है। सूच प्रवास जीवार कहा पूता करने के लिए कार से काम जीवार पीक्या तार्थी की अस्मातार्थाल होती है। ते तारा है-स्क्रिया जीवार का उतार्थी है।



## सकाळ

# •एनबीएसएसचा स्थापना दिवस आज •

नागपूर, ता. २२ : भारतीय कृषी अनुसंधान परिषदेअंतर्गत राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण व भूमी उपयोग नियोजन ब्युरोचा (एनबीएसएस) ४५ वा स्थापना दिवस कार्यक्रम उद्या, २३ ऑगस्ट रोजी अमरावती मार्गावरील राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण केंद्रात आयोजित करण्यात आला असल्याची माहिती, संस्थेचे संचालक डॉ. बी. एस. द्विवेदी यांनी पत्रपरिषदेत दिली.

कार्यक्रमाला मुख्य अतिथी म्हणून कृषी अनुसंधान व

शिक्षा विभागाचे महासंचालक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा व विश्व खाद्य पुरस्कारविजेते डॉ. रतनलाल यांच्यासह नैसर्गिक संसाधन व्यवस्थापनाचे उपमहासंचालक डॉ. एस. के. चौधरी, डॉ. सी. डो. मायी, पोचराच्या संचालिका इंद्रा मल्लो, डॉ. वाय. जी. प्रसाद, डॉ. डी. के. घोष आदी उपस्थित राहणार आहेत. आभासी पद्धतीने होणाऱ्या या कार्यक्रमाचे उद्घाटन सकाळी अकरा वाजता होणार आहे. यावेळी डॉ. रतनलाल हे व्हिडीओ संदेशाद्वारे मार्गदर्शन करणार आहेत.

Nagpur, NagpurMain 23/08/2021 Page No. 4

## लोक्समत

## जमिनीची क्षमता पाहूनच 'जलयुक्त'चे नियोजन करा मृदा सर्वेक्षण वैज्ञानिकांचे मत

लोकमत न्यूज नेटवर्क नागपूर: राज्य सरकारने जलयुक्त शिवार अभियान रावविले असले तरी त्यामुळे काय लाभ झाला, यावावत कुणालाच माहिती नाही. वास्तविक पाणी साठविण्याची क्षमता त्या क्षेत्रातील जिमनीच्या क्षमतेवर अवलंबून असते. त्यामुळे जलयुक्त शिवारचे नियोजन त्या जिमनीच्या पाणी मुरण्याच्या क्षमतेचा विचार करूनच करायला हवे, असे स्पष्ट मत राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण व भूमी उपयोग नियोजनच्या वैज्ञानिकांनी व्यक्त केले.

शासनाच्या कृषी संजीवनी प्रकल्पांतर्गंत मृदेची क्षमता किती, तिच्यात ओलावा किती, ओलावा टिकविण्याची क्षमता किती, कोणत्या जमिनीत कोणत्या पिकाची लागवड करणे योग्य राहील, कोणत्या पिकासाठी किती आद्रंता आवश्यक आहे, याबाबत विभागाने सर्वेक्षण केले असून, हा अहवालही राज्य शासनाला सादर करण्यात येणार असल्याचे यावेळी सांगितले. एनबीएसएसचा स्थापना दिवस सोमवारी

भारतीय कृषी अनुसंधान परिषदेंतर्गत राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण व भूमी उपयोग नियोजन ब्युरो (एनबीएसएस)चा ४५ वा स्थापना दिवस २३ ऑगस्ट रोजी साजरा करण्यात येत आहे.

अमरावती मार्गावरील एनबीएसएसच्या परिसरात समारोहाचे आयोजन करण्यात आल्याची माहिती संस्थेचे संचालक डॉ. बी.एस. द्विवेदी यांनी पत्रपरिषदेत दिली. यावेळी कृषी अनुसंधान व शिक्षा विभाग- भा.कृ.अनु.प.चे महासंचालक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, पद्मश्री विश्व खाद्य पुरस्कारप्राप्त डॉ. रतनलाल आदी उपस्थित राहणार आहेत.

पत्रपरिषदेत डॉ. एन.एस.एस. नागार्जुन, डॉ. एन.जी. पाटील, डॉ. प्रमोद तिवारी आदी उपस्थित होते.

Hello Nagpur Page No. 4 Aug 22, 2021 Powered by: erelego.com

# नवभारत



## ICAR-NBSS कल मनायेगा ४५वां स्थापना दिवस

नागपुर . पूरे देश में बेहतर कृषि उत्पादन के लिए जरूरी मृदा सर्वेक्षण और अनुसंधान में विशेष स्थान रखने वाले भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद – राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण व भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरी (आईसीएओर – एनबीएसएस व लूप) सोमवार को अपना 45वां स्थाप्त विवस मनायेगा .

मनावना: आईसीएआर-एनबीएसएस व लुप का मुख्यालय सिटी में

अमरावती रोड पर स्थित है. परिषद के निर्देशक डॉ. बीएस द्विवेदी ने बताया कि नागपुर हेडववार्टर के तहत दिल्ली, उदयपुर, बेंगलुरु, कोलकाता और असम के जोसहट में क्षेत्रीय केन्द्र बनाये गये हैं. सोमवार को होने वाले ऑनलाइन स्थापना दिवस कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. रतन लाल का विशेष संवाद रहेगा. आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन मोहापात्रा मुख्य अतिथि रहेंगे. कार्यक्रम के सभापति डॉ. एसके चौघरी रहेंगे जबकि डॉ. सीडी मोई व इंदिरा मल्लो गेस्ट आफ ऑनर होंगे. इनके अलावा मुख्य रूप से डॉ. वायजी प्रसाद, डॉ. डीके घोष व डॉ. द्विवेदी की विशेष उपस्थित रहेंगी.